

उनका भेद लेने गया था 6. गंध-प्रसारिणी 7. आम्रातक, अमड़ा वि. 1. प्रवाहित करने वाला, बहाने वाला 2. भेजने वाला।

सारणा स्त्री. (तत्.) दे. सारण।

सारणि स्त्री. (तत्.) 1. नाले या छोटी नहर के रूप में होने वाला जल-मार्ग 2. गंध-प्रसारिणी 3. पुनर्नवा।

सारणिक पुं. (तत्.) 1. पाथिक, राही 2. सौदागार।

सारणी स्त्री. (तत्.) 1. पानी बहने की नाली 2. छोटी नदी 3. नहर 4. आजकल कोई ऐसा कागज या फलक जिसमें बहुत से कोठे, खाने या स्तंभ बने रहते हैं और जिनके कोठों आदि में किसी विशेष प्रकार के तुलनात्मक अध्ययन, गणना या विवेचन के लिए कुछ अंक, पद या शब्द आदि अंकित होते हैं table

सारणीक पुं. (तत्.) 1. ऐसा टाइपराइटर जिसमें अलग-अलग स्तंभों में अंकादि भरकर सारणी तैयार की जाती है tabulator

सारणीकरण पुं. (तत्.) 1. सारणी बनाने की क्रिया या भाव 2. तथ्यों आदि को सारणी के रूप में अंकित करना, सारणीयन tabulation

सारणीकार पुं. (तत्.) वह व्यक्ति जो अनेक प्रकार की सारणियाँ बनाने का काम करता है।

सारणीयंत्र पुं. (तत्.) एक प्रकार का आधुनिक यंत्र जिसकी सहायता से सारणियाँ बनाई जाती हैं।

सारणीयन पुं. (तत्.) सारणीकरण।

सारणेश पुं. (तत्.) एक प्राचीन पर्वत।

सार-तरु पुं. (तत्.) 1. केले का पेड़ 2. खैर का वृक्ष।

सारता स्त्री. (तत्.) सार के रूप में होने की अवस्था, धर्म या भाव।

सारतुंडल पुं. (तत्.) चावल।

सारथि पुं. (तत्.) 1. रथ का चालक 2. समुद्र 3. नायक 4. साथी।

सारथित्व पुं. (तत्.) सारथि का कार्य, धर्म या पद।

सारथी पुं. (तद्.) 1. रथ चलाने वाला, सूत 2. सब कारबार चलाने, देखने या संभालने वाला व्यक्ति 3. सागर, समुद्र।

सारथ्य पुं. (तत्.) सारथि का काम या पद।

सारद वि. (तत्.) सार या तत्त्व देने वाला।

सारदा स्त्री. (तद्.) सरस्वती पुं. स्थल, कमल।

सार-दारु पुं. (तत्.) ऐसी लकड़ी जिसमें सार या हीर वाला अंश अपेक्षया अधिक हो।

सारदा-सुंदरी स्त्री. (तत्.) दुर्गा का एक नाम।

सारदी वि. (तद्.) शारदीय।

सारदूल पुं. (तद्.) चीता।

सारद्रुम पुं. (तत्.) 1. खैर का वृक्ष 2. वह पेड़ जिसकी लकड़ी में हीर या सार भाग अधिक हो।

सारन¹ पुं. (तद्.) 1. सारने की क्रिया या भाव, सारना। क्रि.वि. सारने के लिए उदा. वियोग-आगि सारन कौ ऊधौ हाय हमको बयारि भाखिबौ कहौ -रत्नाकर।

सारन² स्त्री. (देश.) बाजे की ध्वनि उदा. बंधु सारन सुनत बेगि धाए -सूरसागर।

सारना स.क्रि. (तद्.) 1. संपन्न करना, बनाना, पूरा करना उदा. राम सरीखै जन मिले, तिन सारे सब काम-कबीर 2. सुंदर बनाना, सजाना 3. ठीक करना, सँवारना 4. देख-रेख करना, पालना पोसना, संभालना 5. स्वच्छ करना, पोंछना 6. अंजन, काजल, सिंदूर आदि लगाना 7. हथियार चलाना या प्रहार करना 8. खेतादि में खाद डालना।

सारनाथ पुं. (तत्.) वाराणसी की उत्तर-पूर्वी सीमा पर स्थित एक प्राचीन नगरी जहाँ से गौतम बुद्ध ने अपने धर्म का प्रचार आरंभ किया था।

सार-पत्रिका स्त्री. (तत्.) ऐसी पत्रिका जिसमें सामान्य पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि की विषय-वस्तु का सार-संक्षेप हो।